

12th World Hindi Conference, Nadi, Fiji (February 15–17, 2023)

February 17, 2023

द्वादश विश्व हिन्दि सम्मेलन, नादि, फिजि (फेब्रुवारी 15–17, 2023)

फेब्रुवारी 17, 2023

15-17ई फेब्रुवारी 2023-ए फिजिज नादिते द्वादश विश्व हिन्दि सम्मेलन अनूर्थित हय्सेछे। एटि फिजि सरकारेस साथे सहयोगिताय अनूर्थित हय्सेछे।

विदेशमन्त्री, डः एस. जयशंकर, भारतीय प्रतिनिधि दलेस नेतृत्व दियेछेन, यादेर मध्ये छिलेन परराष्ट्र एवं संसद विषयक प्रतिमन्त्री डः भि. मुरलीधरन; स्वराष्ट्र प्रतिमन्त्री श्री अजय कुमार मिश्र; सांसदवर्ग; एवं वरिष्ठ आधिकारिकगण।

फिजि सरकारेस सर्वोच्चस्तरेस प्रतिनिधिरा सम्मेलने प्रतिनिधित्व करेछेन, येथाने फिजिज राष्ट्रपति हिज एक्सेलेन्सि मिस्टार रातू उइलियामे काटनिभेरे; प्रधान मन्त्री हिज एक्सेलेन्सि मिस्टार सिटिभेनि राबूका; सकल तिन उपमन्त्री येमन, हिज एक्सेलेन्सि मिस्टार विमान प्रसाद, हिज एक्सेलेन्सि मिस्टार मानोया कामिकामिका, हिज एक्सेलेन्सि भिलियामे गाभोका; शिक्षामन्त्री हिज एक्सेलेन्सि मिस्टार आसेरि राद्रोद्रो; बह-जाति विषयक ओ चिनि मन्त्री हिज एक्सेलेन्सि चरन जेठा सिंग ; कर्मसंस्थान, उत्पादन एवं शिल्प सम्पर्क विषयक मन्त्री, हिज एक्सेलेन्सि आग्नि देओ सिंग एवं अन्यान्य वरिष्ठ सरकारी आधिकारिकदेर उपस्थिति लक्ष्य करी गेछे।

राष्ट्रपति रातू उइलियामे काटनिभेरे एवं विदेशमन्त्री युग्मभावे 15ई फेब्रुवारी 2023 तारिखे सम्मेलनेस उदबोधन करेन। उदबोधनी अनूर्थाने फिजि सरकार द्वारा एकरि स्मृतिस्मारक डाकटिकिटेस उदबोधन करी हय्सेछे। एकरि विशेष स्मारनिका एवं पाँचटि अन्य पुस्तकओ अनूर्थान उपलक्ष्ये प्रकाशित हय्सेछे।

सम्मेलनेस मूल भाव छिल, “ हिन्दिः प्रचलित ज्ञान थेके कृत्रिम बुद्धिमता”, एवं एटि पूर्णज अधिवेशने आलोचित हय्सेछे। विभिन्न उप मूलभावेस उपरे अन्य दशटि अधिवेशनेस आयोजन करी हय्सेछिल।

सेगुलि हलः

1. गिरमितिआ देशगुलिते हिन्दि
2. फिजि एवं प्रशान्त महासागरीय अञ्चले हिन्दि
3. 21 शतकेस तथ्यप्रयुक्ति एवं हिन्दि
4. हिन्दिग गणमाध्यम एवं वैश्विक उपलब्धि
5. भारतीय ज्ञानेस ऋतिहय एवं हिन्दिग वैश्विक प्रासङ्गिकता।
6. भाषागत समन्वय ओ हिन्दि अनुवाद
7. हिन्दि सिनेमास विभिन्न धाराः वैश्विक दृश्यकल्प
8. विश्व बाजार ओ हिन्दि

9. পরিবর্তিত পরিস্থিতিতে প্রবাসী হিন্দি সাহিত্য
10. ভারতে এবং বিদেশে হিন্দি শিক্ষা: সমস্যা ও সমাধান

31টির বেশী দেশ থেকে প্রায় 1000 জন অংশগ্রহণকারী সম্মেলনে যোগদান করেছেন, এর মধ্যে 500 জন ভারত থেকে এবং 300 জন ফিজি থেকে অংশগ্রহণ করেছেন। বিশ্বের বিভিন্ন প্রান্ত থেকে বিদ্বান এবং বিশেষজ্ঞরা সম্মেলনে বিভিন্ন বিষয়ের উপরে গভীর আলোচনা করেছেন। সম্মেলনের ফাঁকে ফাঁকে বেশকিছু সংখ্যক বই এবং সাময়িকিও প্রকাশিত হয়েছে।

সম্মেলনের আয়োজক কমিটির সভাপতি প্রতিমন্ত্রী ভি.মুরলীধরন, সমাপ্তি অধিবেশনে সম্মেলনের ফলাফলের বিবরণ পড়ে শোনান।

ভারত থেকে মোট 12জন স্কলারকে এবং বিদেশ থেকে 19জন স্কলারকে সেই সঙ্গে ভারত এবং বিদেশ থেকে একটি করে মোট 2টি সংস্থাকে হিন্দির প্রচার ও প্রসারের জন্য সম্মেলনে সম্মানিত করা হয়েছে। এদের মধ্যে ভারত এবং বিদেশ থেকে 13জন স্কলারকে যার মধ্যে প্রতিটি শ্রেণীর দুইটি করে সংস্থা ব্যক্তিগতভাবে সমাপ্তি অনুষ্ঠানে উপস্থিত থেকে সম্মাননা গ্রহণ করেছেন। বাকি স্কলাররা যারা সম্মাননা জ্ঞাপনকালে ব্যক্তিগতভাবে উপস্থিত থাকতে পারেননি তাদেরকে তাদের নিজ নিজ দেশের দূতাবাস/হাই কমিশন থেকে অথবা দিল্লিতে সম্মাননা জ্ঞাপন করা হবে।

সমাপ্তি অনুষ্ঠানের অন্যান্য উল্লেখযোগ্য ঘটনাবলীর মধ্যে অন্যতম হল ফিজির উপ প্রধানমন্ত্রী বিমান প্রসাদের হিন্দিতে ভাষণ প্রদান। এটি ফিজির সংসদে হিন্দিতে ভাষণ প্রদান করা সহ হিন্দির প্রচারে ফিজির পদক্ষেপ গ্রহণকে তুলে ধরেছে।

সম্মেলনে যাদের সম্মাননা জ্ঞাপন করা হয়েছে তারা সহ দক্ষিণ এবং উত্তর পূর্ব ভারত থেকে অংশগ্রহণের উপরেও জোর দেওয়া হয়েছে।

সম্মেলনে, আইসিসিআর এবং ফিজি সরকার দ্বারা আয়োজিত বিশেষ সাংস্কৃতিক অনুষ্ঠানেরও আয়োজন করা হয়েছিল।

সম্মেলনের ফাঁকে, ফিজির গিমিতিয়াদের যাত্রার গল্পের উপরে একটি বিশেষ প্রদর্শনীরও আয়োজন করা হয়েছিল।

নাদি, ফিজি

ফেব্রুয়ারি 17, 2023

DISCLAIMER: This is an approximate translation. The original is available in English on MEA's website and may be referred to as the official press release.